'आत्मनिर्भर भारत' मददगार बनेगा: मोदी

नई दिल्ली | विशेष संवाददाता

ब्रिक्स सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'आत्मनिर्भर भारत' की वकालत की। उन्होंने कहा, हमने 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान के तहत व्यापक सुधार प्रक्रिया शुरू की है। यह कैम्पेन इस विषय पर आधारित है कि एक आत्मनिर्भर और लचीला भारत पोस्ट कोविड-19 अर्थव्यवस्था के लिए फोर्स मल्टीप्लायर हो सकता है और वैश्विक सप्लाई चेन में मजबूत योगदान दे सकता है। इसका उदाहरण हमने कोविड-19 के दौरान भी देखा, जब भारतीय फार्मा उद्योग की क्षमता के कारण हम 150 से अधिक देशों को आवश्यक दवाइयां भेज पाए।

बहुपक्षीय व्यवस्था संकट के दौर से गुजर रही

प्रधानमंत्री ने कहा, बहुपक्षीय व्यवस्था (मल्टीलेटरल सिस्टम) संकट के दौर से गुजर रही है। ग्लोबल गवर्नेंस के संस्थानों की विश्वसनीयता और प्रभाव दोनों पर ही सवाल उठ रहे हैं। इसका प्रमुख कारण यह है कि इनमें समय के साथ बदलाव नहीं आया। ये अभी भी 75 साल पुराने विश्व की मानसिकता और वास्तविकता पर आधारित हैं।

सुधारों पर मुखर प्रधानमंत्री मोदी ने मांगा समर्थन

प्रधानमंत्री ने कहा, भारत का मानना है कि संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार अनिवार्य हैं। इस पर हमें ब्रिक्स भागीदारों के समर्थन की अपेक्षा है। यूएन के अतिरिक्त, अन्य अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं भी वर्तमान वास्तविकताओं के अनुसार काम नहीं कर रहे हैं। डब्लूटीओ, आईएमएफ, डब्लूएचओ जैसे संस्थाओं में सुधार होना चाहिए।

ब्रिक्स अर्थव्यवस्था की मजबूती पर जोर

कोविड-19 के बाद की वैश्विक रिकवरी में ब्रिक्स अर्थव्यवस्था की अहम भूमिका होगी। प्रधानमंत्री ने कहा, हमारे बीच विश्व की 42 प्रतिशत से अधिक आबादी बसती है और हमारे देश ग्लोबल अर्थव्यवस्था के मुख्य इंजन में से हैं।